Civil Services (Main)
Examination- 2025

SLPM–B–HST

इतिहास (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

HISTORY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित कथनों में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about *150* words each : 10×5=50

(a) ''अपने उदय की आकस्मिकता, अपनी सफलताओं की चमक तथा अपने पराभव की पूर्णता में सिख राजतन्त्र नेपोलियन की भाँति था।''

"The Sikh monarchy was Napoleonic in the suddenness of its rise, the brilliancy of its success and the completeness of its overthrow."

(b) ''पेशवाओं के अधीन मराठा व्यवस्था में घरेलू (आन्तरिक) मतभेदों का बीजारोपण काफी घना तथा गहरा था।''

"The seeds of domestic dissensions were thickly and deeply sown in the Maratha system under the Peshwas."

(c) ''भगत सिंह और उनके साथियों ने क्रांति के उद्देश्य और दायरे को व्यापक रूप दिया, उसे केवल राजनीतिक उथल-पुथल तक सीमित न रखकर सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का माध्यम बना दिया।''

"Bhagat Singh and his comrades significantly expanded the meaning and scope of revolution, redefining it beyond mere political upheaval to include social and ideological transformation."

(d) ''1892 के भारतीय परिषद् अधिनियम की महत्त्वपूर्ण विशेषता चुनाव का सिद्धान्त थी जिसे इसमें पेश किया गया था, हालाँकि इसमें 'चुनाव' शब्द का प्रयोग बहुत सावधानी से टाला गया था।''

"The significant feature of the Indian Councils Act of 1892 was the principle of election which it introduced, though the word 'election' was very carefully avoided in it."

(e) ''औपनिवेशिक शासन ने भारतीय बाजारों को इंग्लैंड-निर्मित उत्पादों के लिए खोल दिया तथा स्वदेशी हस्तशिल्प उद्योगों के 'विउद्योगीकरण' अथवा विनाश का मार्ग प्रशस्त कर दिया।''

"The colonial rule opened the Indian markets for British-manufactured goods and led to 'deindustrialization' or destruction of indigenous handicraft industries."

2. *(a)* क्या आप सहमत हैं कि बंगाल में 1793 में भू-राजस्व के स्थायी निर्धारण की अवधारणा पर प्रकृतिवादी सिद्धान्त विचारधारा का गहरा प्रभाव था? विवेचना कीजिए।

Do you agree that the idea of permanent fixation of land revenue of 1793 in Bengal was highly influenced by the Physiocratic school of thinking? Discuss. 20

(b) "प्रेस की स्वतन्त्रता तथा नियन्त्रण, इन दोनों सिद्धान्तों के बीच खींचतान का प्रभाव औपनिवेशिक शासकों के प्रेस के प्रति उनके रवैये में महसूस होता है।" विवेचना कीजिए।

"The tug of war between the two principles of freedom and control of the press made its influence felt on the colonial rulers' attitude to the press." Discuss. 20

(c) "भाषाई राज्यों के लिए आंदोलन ने राष्ट्रवादी अभिजातवर्ग के बीच गहरी आशंकाएँ पैदा कीं। उन्हें डर था कि इससे भारत का विघटन (बाल्कनीकरण) हो जाएगा।" परीक्षण कीजिए।

"The movement for linguistic States generated deep apprehensions among the nationalist elite. They feared it would lead to the Balkanization of India." Examine. 10

3. *(a)* "कर्नाटक युद्धों के दौरान, फ्रांसीसी स्थिति जिसने एक समय भारतीय विश्व को अपनी राजनीतिक सफलताओं से चकित कर दिया था, उसका अंत अपमान और विफलता में होना तय था।" व्याख्या कीजिए।

"During the Carnatic Wars, the French position, which at one time dazzled the Indian world by its political successes, was destined to end in humiliation and failure." Explain. 20

(b) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना से सम्बन्धित 'सुरक्षा वाल्व सिद्धान्त' को हाल के शोधकर्ताओं द्वारा पूरी तरह से अस्वीकृत क्यों कर दिया गया है? विश्लेषण कीजिए।

Why has the 'safety valve theory' related to the foundation of the Indian National Congress been thoroughly discredited by recent researchers? Analyze. 20

(c) ''गाँधी का आगमन राष्ट्रीय आंदोलन का भारतीयकरण था।'' 1917–1922 के मध्य हुए उनके प्रारंभिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए।

"The emergence of Gandhi signified the Indianization of the national movement." Analyze with reference to his early movements between 1917–1922. 10

4. (a) ''सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिकीकरण के बीच तनाव ने 19वीं सदी के भारत में सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलनों की दिशा को आकार दिया।'' विवेचना कीजिए।

"The tensions between cultural revivalism and modernization shaped the trajectory of the socio-religious reform movements in 19th century India." Discuss. 20

(b) 19वीं सदी के जनजातीय तथा कृषक विद्रोहों ने भारत में राष्ट्रवाद के उदय एवं विकास में किस प्रकार योगदान दिया? परीक्षण कीजिए।

In what ways did the tribal and peasant uprisings of the 19th century contribute to the rise and growth of nationalism in India? Examine. 20

(c) जातिगत अन्याय एवं असमानता को दूर करने के लिए 1947 के पश्चात् भारत सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों की विवेचना कीजिए।

Discuss the major initiatives taken by the Government of India for the removal of caste injustice and inequality after 1947. 10

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित कथनों में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about *150* words each : 10×5=50

(a) ''फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत हुई और इसके प्रथम चरण में अभिजात (कुलीन) वर्ग को विजय प्राप्त हुई।''

"The French Revolution started and led to the victory in its first phase by the aristocracy."

(b) ''1832 के सुधार अधिनियम के साथ एक ऐसी विधायी पुनर्रचना की प्रक्रिया की शुरुआत हुई जिसकी ब्रिटिश इतिहास में कोई मिसाल नहीं मिलती।''

"With the Reform Act of 1832 began an activity in reconstructing legislation to which there had been no parallel in British history."

(c) ''प्रथम विश्वयुद्ध ने केवल राजनीतिक प्रभाव ही उत्पन्न नहीं किए, इसने सोचने के तरीकों पर भी गहरा प्रभाव डाला।''

"The First World War did not produce just political consequences, it also had a deep impact on the ways of thinking."

(d) ''सोवियत संघ में तथा चीन में भी, यह दृढ़ विश्वास था कि उपनिवेशों में चल रहे साम्राज्य-विरोधी आन्दोलनों का परिणाम उन देशों के समाजवादी खेमे में शामिल होने के रूप में होगा।''

"In the Soviet Union, as also in China, there was a strong belief that anti-imperial movements in the colonies would result in their moving into the socialist orbit."

(e) ''मार्क्स-पूर्व समाजवादी विचारकों ने समाजवादी समाजों की कल्पना, उन्हें प्राप्त करने या बनाए रखने के व्यावहारिक तन्त्र पर पूरी तरह विचार किए बिना ही की।''

"The pre-Marxian socialist thinkers envisioned socialist societies without fully considering the practical mechanisms for achieving or maintaining them."

6. (a) ''19वीं सदी में राष्ट्रवाद एकीकरण और विघटन दोनों के लिए प्रेरक शक्ति था।'' यूरोप और दुनिया के अन्य देशों से उदाहरण देकर समझाइए।

"Nationalism in the 19th century was a driving force for both integration and disintegration." Illustrate with examples from Europe and other parts of the world. 20

(b) ''अमेरिकी क्रांति, कई मायनों में, राजनीतिक, नागरिक तथा धार्मिक क्षेत्रों में प्रबोधन की अभिव्यक्ति थी।'' व्याख्या कीजिए।

"The American Revolution was, in many respects, a manifestation of the Enlightenment in political, civil and ecclesiastical spheres." Explain. 20

(c) क्या नव-साम्राज्यवाद पुराने औपनिवेशिक तरीकों की निरन्तरता था या यह वैश्विक शक्ति संरचना में एक मौलिक परिवर्तन का संकेतक था? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Did new imperialism represent a continuation of old colonial practices or did it mark a fundamental shift in global power structure? Discuss critically. 10

7. (a) ''1932 के चुनावों तक, जर्मनी के शासक वर्गों को यह महसूस होने लगा था कि गहरे आर्थिक संकट से निकलने का एकमात्र रास्ता यह है कि राजनीतिक सत्ता को एक सर्वसत्तावादी शासन को सौंप दिया जाय।'' व्याख्या कीजिए।

"By the time of 1932 elections, Germany's ruling classes began to feel that the only way to escape from a deep economic crisis was to hand over political power to a totalitarian agency." Explain. 20

(b) मिखाइल गोर्बाचेव के घरेलू सुधारों की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

Discuss critically the salient features of Mikhail Gorbachev's domestic reforms. 20

(c) ''प्रबोधन के पादरी-प्रथा विरोध में पुनर्जागरण तथा सुधारवाद की भावनाएँ प्रतिध्वनित हुईं। फिर भी इसने न पुनर्जागरण के विधर्मवाद (पैगनवाद) का समर्थन किया और न ही सुधारवाद के विश्वास को साझा किया।'' विवेचना कीजिए।

"Anti-clericalism of the Enlightenment echoed the sentiments of the Renaissance and the Reformation. Yet it neither endorsed the paganism of the Renaissance nor did it share the faith of Reformation." Discuss. 10

8. (a) वियतनाम के गैर-साम्यवादी नेता, हिन्द-चीन के उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष को सफल नेतृत्व प्रदान करने में क्यों असफल रहे? विवेचना कीजिए।

Why did the non-communist Vietnamese leaders fail to provide successful leadership for Indo-China's anti-colonial struggle? Discuss. 20

(b) यूरोपीय आर्थिक समुदाय के मुक्त व्यापार की अवधारणा ने किस हद तक यूरोपीय संघ के निर्माण में योगदान दिया? परीक्षण कीजिए।

To what extent did the concept of free trade of European Economic Community contribute to the formation of European Union? Examine. 20

(c) 20वीं सदी के प्रारम्भ में जर्मन समाज पर वैज्ञानिक शिक्षा तथा औद्योगिक विस्तार के बीच संबंधों के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

Examine the impact of the links between scientific education and industrial expansion on German society in the early 20th century. 10

★ ★ ★